झारखण्ड विधान सभा

दैनिक विवरणिका

चतुर्थ झारखण्ड विधान सभा
संख्या–10

अष्टम् (बजट) सत्र
मंगलवार, दिनांक–31 जनवरी,2017 ई0।
समय–11:00 बजे पूर्वाह्न से 05:17 बजे अप0 तक।

माननीय अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया

1.विविध चर्चायें:–

i- रॉची जिलान्तर्गत बुंडू में आक्रोशित किसानों द्वारा बीच सड़क पर टमाटर को फेक दिये जाने संबंधी आज सभी अखबारों में प्रकाशित समाचार की ओर माननीय सदस्य, श्री राज कुमार यादव ने आसन का ध्यान आकृष्ट किया,

ii- माननीय सदस्य, श्री स्टीफन मराण्डी द्वारा निलम्बित चार विधायकों के निलम्बन पर आज ही फैसला सुनाये जाने हेतु आसन से आग्रह किया गया जिसका समर्थन काँग्रेस पार्टी के माननीय सदस्य, श्री आलमगीर आलम एवं श्री मनोज कुमार यादव ने भी किया। आसन द्वारा उचित समय पर निर्णय लिये जाने हेतु अपनी भावना प्रकट की गयी,

iii- माननीय सदस्य,श्री प्रदीप यादव ने आसन से आग्रह किया कि चूँकि निलम्बित विधायकों के माननीय नेताओं द्वारा खेद प्रकट कर लिया गया है, अतएव अब निलम्बन वापस होना चाहिए,

iv- माननीय विपक्षी सदस्यों द्वारा की जा रही मांग के विरोध में सतापक्ष के माननीय सदस्य; श्री अनन्त कुमार ओझा, श्री बिरंची नारायण, श्री राम कुमार पाहन,श्री जीतू चरण राम एवं श्री जानकी प्रसाद यादव द्वारा अपने स्थान पर खड़े होकर विरोध किया जाने लगा,

v- झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के प्रायः सभी माननीय सदस्य धोती,गमछा, स्लोगनयुक्त अंगवस्त्र एवं हरी पगड़ी धारण कर सदन की वेल में आकर पूर्व की मांगों के समर्थन में नारेबाजी करने लगे, इससे भारी शोरगुल एवं अव्यवस्था का माहौल कायम हो गया जिसे देखते हुए सदन की कार्यवाही 11:14 बजे पूर्वा0 से 12:45 बजे अप0 तक के लिए स्थगित कर दी गयी।

(स्थगनोपरांत)

माननीय अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया।

i- इस अवसर पर माननीय सदस्य, श्री नारायण दास द्वारा देवघर बाबा मंदिर में श्री अच्युतानंद पंडा जी की ताजपोशी कोर्ट के आदेशोपरांत भी नहीं होने की ओर आसन का ध्यान आकृष्ट किया गया जिसे संसदीय कार्य मंत्री द्वारा संज्ञान में लिया गया,

ii- गोड्डा में पिछले 36 घंटे से बिजली गुल होने से उत्पन्न समस्याओं की ओर आसन का ध्यान माननीय सदस्य, श्री प्रदीप यादव ने आकृष्ट किया,

iii- माननीय नेता प्रतिपक्ष द्वारा निलम्बित विधायकों के निलंबन शीघ्र वापसी की मांग की गयी जिसका समर्थन माननीय सदस्य, श्री प्रदीप यादव एवं श्री मनोज कुमार यादव द्वारा भी किया गया,

iv- सोशल मीडिया पर निलंबित विधायकों की दिखाई जा रही मंशा की ओर आसन का ध्यान माननीय सदस्य, श्री मनीष जायसवाल द्वारा आकृष्ट करते हुए आपत्ति जतायी गयी।

(शोरगुल)

2.सभा मेज पर प्रतिवेदनों का रखा जाना:-

i- माननीय सभापति, श्री फूलचन्द मण्डल द्वारा युवा संस्कृति खेलकूद एवं पुस्तकालय विकास समिति का षष्ठम् प्रतिवेदन सभा पटल पर रखा गया,

ii- माननीय सदस्य, श्री अनन्त कुमार ओझा द्वारा निवेदन, शून्यकाल तथा गैर-सरकारी संकल्प समिति का प्रथम प्रतिवेदन सभा पटल पर रखा गया,

iii- माननीय सदस्य, श्री योगेश्वर महतो द्वारा सरकारी उपक्रमों सम्बन्धी समिति का 15, 16, एवं 17 वाँ प्रतिवेदनों की एक-एक प्रति सभा पटल पर रखी गयी,

iv- माननीय सभापति, श्री सत्येन्द्रनाथ तिवारी द्वारा सदाचार एवं विधायक निधि अनुश्रवण समिति का नवम् प्रतिवेदन सभा पटल पर रखा गया,

(इस अवसर पर झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के माननीय सदस्य सदन की वेल में आकर पूर्व की माँगों को लेकर नारेबाजी करने लगे।)

3.वित्तीय कार्य:-

ग्रामीण विकास विभाग (ग्रामीण विकास प्रभाग) की माँग माननीय प्रभारी मंत्री, श्री नीलकण्ठ सिंह मुण्डा द्वारा रखी गयी जिसपर माननीय सदस्य, श्री प्रदीप यादव ने कटौती का प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

(अन्तराल)

माननीय अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया।

इस अवसर पर झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के माननीय सदस्य अपनी पूर्व की मांगों को लेकर सदन की बेल में आकर नारेबाजी करने लगे। इनके द्वारा बार बार सदन को बाधित किये जाने को लेकर माननीय मुख्यमंत्री द्वारा दुःख व्यक्त किया गया।

4.कार्यमंत्रणा समिति की बैठक:-

आज दिनांक-31.01.2017 को कार्यवाही स्थगन के उपरांत अध्यक्षीय कक्ष में कार्यमंत्रणा समिति की बैठक आहूत होने की सूचना आसन द्वारा दी गई एवं संबंधित माननीय सदस्यों को उपस्थित होने हेतु आग्रह भी किया गया।

इस क्रम में झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के माननीय सदस्यों द्वारा नारेबाजी की जाती रही, अतएव अव्यवस्था के माहौल को देखते हुए सदन की कार्यवाही 2.17 बजे अप० से लेकर 3.00 बजे अप०तक के लिए स्थगित कर दी गई।

(स्थगनोपरांत)

माननीय अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया।

(इस अवसर पर अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के छात्र-छात्राओं को प्राप्तांक के आधार पर छात्रवृत्ति दिय जाने सम्बन्धी सरकारी आदेश को माननीय सदस्य, श्री शिवशंकर उरांव द्वारा वापस लिये जाने की माँग की गयी जिसे माननीय मुख्यमंत्री द्वारा आसन के निदेश से संज्ञान में लिया गया और आश्वस्त किया गया कि इस सम्बन्ध में विचारोपरांत छात्र-छात्राओं के हक में ही फैसला लिया जायेगा।)

P.T.O. →

5.वित्तीय कार्य(क्रमांक-3 से जारी):-

अन्तराल के पूर्व प्रस्तुत ग्रामीण विकास विभाग (ग्रामीण विकास प्रभाग) की माँग पर चर्चा प्रारम्भ हुई जिसमें निम्नांकित माननीय सदस्यों ने भी भाग लिया-

श्री मनोज कुमार यादव,

(इस अवसर पर झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के माननीय सदस्यों द्वारा सदन का परित्याग किया गया।)

श्री राम कुमार पाहन,

श्री प्रदीप यादव,

(इस अवसर पर सदन की सहमति से सभा का समय विस्तारित किया गया)

श्रीमती बिमला प्रधान,

श्री कुशवाहा शिवपूजन मेहता,

श्री केदार हजरा। इसके उपरांत माननीय संसदीय कार्य मंत्री द्वारा वक्तव्य दिया गया।

6.आसन से नियमन:-

बढ़ती हुई महँगाई को देखते हुए विधायक मद की राशि बढ़ाये जाने एवं राशि खर्च किये जाने सम्बन्धी प्रक्रियाओं के सरलीकरण हेतु सरकार द्वारा समिति बनाये जाने एवं इसपर गम्भीरतापूर्वक विचार हेतु आसन द्वारा नियमन दिया गया।

7.वित्तीय कार्य(क्रमांक-5 से जारी):-

माननीय मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, श्री नीलकण्ठ सिंह मुण्डा द्वारा सरकार की ओर से वक्तव्य दिया गया। इसके पश्चात् माननीय सदस्य, श्री प्रदीप यादव का कटौती प्रस्ताव अस्वीकृत हुआ तथा ग्रामीण विकास विभाग (ग्रामीण विकास प्रभाग) की माँग सभा द्वारा स्वीकृत हुई।

8.सभा मेज पर प्रतिवेदनों का रखा जाना(क्रमांक-2 से जारी):-

माननीय सभापति, श्री ताला मराण्डी द्वारा अनुसूचित जाति, जनजाति, अल्पसंख्यक, पिछड़ा कमजोर वर्ग समिति का प्रथम प्रतिवेदन सभा पटल पर रखा गया तत्पश्चात् सदन की कार्यवाही गुरुवार, दिनांक-02.02.2017 को 11.00 बजे पूर्वा० तक के लिए स्थगित कर दी गयी।

राँची,
दिनांक- 31 जनवरी, 2017 ई०।

बिनय कुमार सिंह,
प्रभारी सचिव,
झारखण्ड विधान सभा।